ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-6* September-2020
Anthology : The Research

कोविड–19 युवाओं की छुपी बेरोजगारी

Covid-19: Unseen Unemployment of Youth.

Paper Submission: 15/09/2020, Date of Acceptance: 26/09/2020, Date of Publication: 27/09/2020

हर पाल सिंह
अध्यक्ष,
मनोविज्ञान विभाग,
आर0 आर0 एस0 एम0 डिग्री कॉलेज, जाहिदपुर, शाहबाद, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

कोरोना वायरस को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने एक महामारी घोषित कर दिया यह वायरस अति सुक्ष्म किंतु अति प्रभावी वायरस है। जिसका संक्रमण पूरे विश्व में बहुत ही तेजी से फैल रहा है कोरोना वायरस का संबंध वायरस के एक ऐसे परिवार से हैं जिसके संक्रमण से जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, बुखार, खांसी एवं गले में खराश के लक्षण प्रदर्शित होते हैं। अभी तक इस वायरस को रोकने का कोई उपयुक्त समाधान टीका दवाई नहीं बना है। यह वायरस सबसे पहले चीन में दिसंबर 2019 मे सक्रिय हुआ और वही पकड़ा भी गया। इसके बाद माननीय संक्रमण एवं संक्रमण द्वारा बहुत तीव्र गति से पूरे विश्व में फैलाए इसी क्रम में वर्ष 2020 में भारत में भी प्रवेश कर गया। भारत में प्रवेश क्या किया एक बार को विकास का पहिया रूक गया। जिसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव मध्यम वर्गीय उच्च शिक्षित युवा पर पड़ाए जो कोरोना संक्रमण की गति से तीव्र छिपी बेरोजगारी का शिकार हुआ। क्योंकि वह प्राइवेट संस्थानों में और ठेकेदारों के साथ नौकरी कर रहा था। बीमारी का शिकार हुआ क्योंकि वह प्राइवेट संस्थानों में नौकरी करता था। इसी अदृश्य बेरोजगारी में बहुत से युवा मानसिक बीमारियों के भी शिकार हो गये। जिसका प्रभाव की कुछ युवाओं ने जीवन के इस काले समय से हार मान ली और मौत को गले लगा लिया अपनी जीवन की लीला समाप्त कर ली। यह कार्य पुस्तकालय अध्ययन एवं वर्तमान परिदृश्य पर आधारित है।

The corona virus has been declared an epidemic by the World Health Organization (WHO). This virus is a very small but highly effective virus. The infection of which is spreading very fast all over the world, Coronavirus belongs to a family of viruses whose infection exhibits symptoms of colds, shortness of breath, fever, cough and sore throat. So far no suitable solution has been made to stop the virus. The virus was first activated in China in December 2019 and was also caught. After this, Honorable entered India in the year 2020 in the same sequence spread by the infection and infection at a very fast pace. What did India enter Once the wheel of development stopped. The most adverse effect of which was on middle class highly educated youth who suffered from intense hidden unemployment due to the speed of corona infection. Because he was working in private institutions and with contractors. He succumbed to illness as he worked in private institutions. Many youths also succumbed to mental illnesses in this invisible unemployment. The influence of which some youth gave up from this dark time of life and embraced death ended their life. This work is based on library studies and current scenario.

मुख्य शब्द : कोविड.19, छुपी. बेरोजगारी, एल्कोहल एवं मनोवैज्ञानिक. परामर्श । Covid-19, hidden. Unemployment, Alcohol and Psychologists. Consultation.

प्रस्तावना

वर्ष 2019 का अंत और वर्ष 2020 का आगाज मध्यम वर्गीय युवाओं के लिये बडा ही दु:खद आया, हालांकि पीडा और समस्याओं का सामना प्रत्येक वर्ग को करना पड़ा किंतु समाज का मध्यमवर्गीय युवा जो प्राईवेट, अर्द्ध–सरकारी एवं ठेकेदारों के साथ काम कर रहा था, एकाएक उन पर छुपी बेरोजगारी का वज्रपात हो गया। जिसे ना चाहते हुये भी स्वीकार करना पड़ रहा है। ये युवा वर्ग अपने आप को बेरोजगार नहीं मानता था बराबर कंधे से कंधा मिलाकर उच्च वर्ग का सहयोग कर अपनी जीविका चला रहा था। किंतु कोविड–19 के समय में समूचे विश्व में मध्यम वर्गीय युवा को चिंतनीय अवस्था में जीविका चलाने की

स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कुछ भयावह दृश्य इस प्रकार हैं –

1. कुछ संस्थान ने तो साफ तौर पर उन्हें संस्थान से निकाल कर बेरोजगार कर दिया।
2. कुछ संस्थान अपने कर्मचारियों को आधे वेतन पर सशर्त काम करा रहें हैं ।
3. कुछ संस्थान तो ऐसे हैं जिन्होनें कर्मचारियों को न तो निकाला है और न ही मेहनताना दे रहें हैं। हालात ये बना दिये हैं "काम नहीं तो दाम नहीं"
4. इस बेरोजगारी में दैनिक आवश्यक खर्चों की स्थिति "सुरसा के मुख" के समान है, जो बंद होने का नाम नहीं ले रही ।

यहीं शासन की विडम्बना तो देखो कि जैसे ही लॉकडाउन में राहत दी गई तो सबसे पहले शराब {एल्कोहल} को प्रतिबंध मुक्त कर दिया। यह वही कहावत चरितार्थ करने वाली बात हुई "एक तो करेला कडवा, दूजा नीम चढा"।

समाज की रीढ़ कहा जाने वाला वर्ग कहाँ से कहाँ आ गया है। प्रतिबंध मुक्त मद्यपान बेरोजगारों की मनोदशा और व्यहार को विकृति की ओर ले जाने में अमरबेल की तरह काम कर रहा है। इसके सेवन से युवा तनाव मुक्त होने की बजाए अपनी मानसिक स्थिति से नियंत्रण खो देता है जिस कारण रक्त–दबाव और प्रवाह एवं उत्तेजना बढ जाती है। शासन को चाहिए था कि पहले रोजगार के साधन की व्यवस्था करते परंतु इसके विपरीत युवा को गर्त की ओर ले जाने का रास्ता प्रखर किया। इससे वो बेरोजगार (छुपा बेरोजगारी) दयनीय श्रेणी में समाज ने पहुँचा दिया। ये शिक्षित छुपा बेरोजगार जो प्राईवेट संस्थानो में एक अधिकारी की तरह नौकरी करता था, जो उच्च शिक्षित (P.G., NET, Ph.D, B.Ed.) एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा को गुप्त बेरोजगारी की मार ने परिवार चलाने के लिये मजदूरी (पल्ला, फावडा एवं गारा आदि का काम) करने की स्थिति में लाकर खडा कर दिया है।

यहाँ शासन और नीति निर्माताओं का दोहरा चरित्र देखिये कि राजकीय सेवा में पूरा वेतन और सेवाएं सब बराबर मिल रहीं हैं, किंतु इन्हीं के निजी संस्थानों, ठेकेदारों एवं अर्द्ध–सरकारी में कार्य करने वालों के साथ आज शासन ही नहीं परिवारीजन भी सहयोग करने से कतरा रहे है। जिसके फलस्वरूप ये समाज से त्रस्त युवा बहुत सी मानसिक बीमारियों का शिकार हो सकता है। क्योंकि समाज मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि, संयुक्त परिवार के युवा जहाँ विषम परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करते हैं और विजयश्री प्राप्त करते हैं। कारण सयुंक्त परिवार में कोई तो होता है जो उसकी दास्तां सुने, उस दुःखी को समझे और उसका सहयोग करे। वहीं एकाकी परिवार में ऐसा नहीं होता, वह बेचारा बनके या खेवनहार बनके अकेले ही कुंठा का शिकार होके कोई गलत कदम उठा लेता है, तब कहीं उनके प्रियजनों को उनकी सुध आती है। जब तक वह समाज का जिम्मेदार नागरिक परिवार सहित दुनिया को अलविदा कह चुका होता है या फिर अकेला ही जा चुका होता है।

समाज से तिरस्कृत युवा को विकृति की ओर ले जाने में सोने पर सुहागा का काम समाचार–पत्र एवं चलचित्र–समाचार कर रहे हैं। जो महामारी एवं महामारी काल की असामान्यता सम्बंधी समाचारों को नमक–मिर्च लगाकर प्रस्तुत करते हैं, जिसके फलस्वरूप ऐसे युवा वर्ग की मनोदशा स्थिर नहीं रहती है, इस वर्ग के एकाकी एवं कमजोर मनोदशा के युवा तनाव, प्रतिबल, चिंता, अवसाद, कुण्ठा, मनोविदिलिता, व्यमोही विकृति, व्यवहारिक विकृति एवं द्रव्य (एल्कोहल) सम्बंधी विकृतियों का शिकार हो जाता है।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध कार्य कोविड-19 के कारण हुई छुपी उच्च शिक्षित बेरोजगारी पर आधारित है कोविड.19 में युवाओं के साथ किए गए नकारात्मक व्यवहार को प्रदर्शित करने का कार्य किया गया है। इस शोध का उद्देश्य युवाओं पर होने वाले दुष्प्रभाव और मनोवैज्ञानिक परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।

निष्कर्ष

इन परिस्थितियों में चाहिए कि शासन, प्रशासन और समाज, मनोवैज्ञानिक–परामर्शकों का बेहिचक पूर्ण सहयोग लें एवं योग करें ताकि इस महामारी के दौर पर जीत का परचम लहरा सकें। जिससे यह युवा एक स्वस्थ मनोदशा के समाज का निर्माण करे और अपनी ऊर्जा का सकारात्मक सदुपयोग अपने उज्जवल भविष्य और राष्ट्र के निर्माण में कर सकें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *Bennett, Paul, (2003) : Abnormal and clinical psychology Open University press- (ISBN978-033521236-1)*
2. *Costa, PT, and Mc, Care R.R. (1990) :Personality disorders and the five factors modal of personality journal of personality disorder 4, 362-371*
3. *Jellinek, E.M. (1960): The Disease concept of alcoholism new haven: Hillhouse*
4. *सिंह, कुरैशी एवं भारद्वाज (2013): मनोविकृति विज्ञान के आधार, अग्रवाल पब्लिकेशन्स (ISO 9001:2008 certified company)*
5. *सिंह, के.ए. (2004): आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास (दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, बंगलौर, वाराणसी, पुणे एवं पटना).*
6. *Thappar, G.D. (2002): Hints on health. New Delhi Rupa&Co.*
7. *Mathur, S.S & Mathur, Anju: Health Psychology (2007/2008) Agarwal Publications, nirbhey Nagar, Gelana Road, Agra-7 SSM2B30080707 (157/157).*